सत्र II

पाठ्यक्रम: HIN-504

पाठ्यक्रम का शीर्षक:हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी भाषा तथा व्याकरण की सामान्य जानकारी होना आवश्यक है।	**घंटे**
उद्देश्य	• प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के इतिहास की जानकारी देना है। • हिंदी भाषा समुदाय से परिचित कराना। • व्याकरण के विविध पक्षों से परिचित कराना। • देवनागरी लिपि की विशेषताओं से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. हिंदी भाषा काविकास : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** • विश्व की भाषाओं में हिंदी तथा भारोपीय परिवार • प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक एवं लौकिक संस्कृत • मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत और अपभ्रंश • आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ	**15**
	2. हिंदी भाषा समुदाय • हिंदी शब्द का अर्थ और प्रयोग • हिंदी की बोलियाँ : राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी, पूर्वी और पश्चिमी हिंदी • हिंदी की विभाषाएँ : हिंदवी, दक्खिनी हिंदी, रेख़्ता, उर्दू, हिंदुस्तानी	**10**
	3. व्याकरण • हिंदी शब्द रचना : संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय • **व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर हिंदी शब्द वर्ग** **1) विकारी शब्द** : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया **2) अविकारी शब्द :**क्रिया विशेषण, संबंधसूचक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक, निपात	**15**
	• **व्याकरणिक कोटियाँ :** लिंग, वचन, कारक, काल • शब्दों का वर्गीकरण • विराम चिह्न	**10**
	4. देवनागरी लिपिका उद्भव और विकास • लिपि : परिभाषा एवं प्रकार • देवनागरी लिपि का इतिहास • देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, विशेषताएँ एवं सीमाएँ	**10**

अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, संगोष्ठी, प्रस्तुतीकरण, कार्यशाला	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) ओझा, रा॰ ब॰ पं॰ गौरीशंकर हीराचंद. भारतीय प्राचीन लिपिमाला. राजस्थानी ग्रंथाघर, जोधपुर, 2016. 2) गुरु, पं॰ कामताप्रसाद. हिंदी व्याकरण. प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2015. 3) तिवारी, उदयनारायण. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019. 4) तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ. हिंदी भाषा का इतिहास. वाणी प्रकाशन, 2014. 5) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, 2016, 2019. 6) पांडेय, डॉ॰ पृथ्वीनाथ. शुद्ध हिंदी कैसे बोलें, कैसे लिखें. सामयिक पेपरबैक्स, नई दिल्ली, 2019. 7) बाहरी, डॉ॰ हरदेव. हिंदी उद्भव, विकास और रूप. किताब महल, नई दिल्ली, 2021. 8) महरोत्रा, रमेशचंद्र. मानक हिंदी का व्यवहारपरक व्याकरण. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016. 9) महिया, किशनाराम, शर्मा, विमलेश. हिंदी व्याकरणमाला. ज्ञानवितान प्रकाशन, अजमेर, 2020. 10) वर्म्मा, रामचंद्र. अच्छी हिंदी. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015. 11) सहाय, शिवपूजन, सं॰ मंगलमूर्ति. व्याकरण दर्पण. अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2013. 12) सिंह, डॉ॰ ब्रज किशोर. हिंदी व्याकरण विमर्श. साहनी पब्लिकेशंस, दिल्ली, 2019.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी हिंदी भाषा के इतिहास की जानकारी पाएँगे। • हिंदी भाषा समुदाय से परिचित होंगे। • व्याकरण के विविध पक्षों से परिचित होंगे। • देवनागरी लिपि की विशेषताओं परिचित होंगे।	